



# Training & Placement Cell Dr. A.P.J. ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

Date : 14<sup>th</sup> November, 2022

Guidance for those students who want to make their future with Indian Armed Forces

## MILITARY SERVICES

### आने वाले समय में और भी वैकेंसीज आएगी मिलिट्री में पांच साल में 2 लाख से अधिक युवाओं ने सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स को चुना

**सीआरपीएफ में सबसे अधिक 27,510 वैकेंसी आएंगी**

भारतीय सेना के विभिन्न विंग्स में अब युवाओं का क्रेज बढ़ता जा रहा है। यहां देश की सेवा के साथ-साथ युवाओं को रोजगार भी मिल रहा है। पिछले पांच साल में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के छह विंग्स में करीब दो लाख युवाओं को रोजगार मिला है। सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स में बॉर्डर सिक्वोरिटी फोर्स (बीएसएफ), सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ), सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्वोरिटी फोर्स (सीआईएसएफ), इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस फोर्स (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और असम राइफल्स (एआर) शामिल हैं। भारतीय गृह मंत्रालय के अनुसार सबसे अधिक रिजुटमेंट सीआरपीएफ में इस अवधि में किए गए हैं। इस विंग से करीब 1,13,208 युवाओं को जोड़ा गया। इसी प्रकार एसएसबी में 29,243 और बीएसएफ में 17,482 युवाओं को रिजुट किया गया। वहीं सीआईएसएफ में 12,482, आईटीबीपी में 5,965 और असम राइफल्स में 5,938 युवक के रिजुटमेंट किए गए। साल 2022 में ही जुलाई तक सीआरपीएफ में 6509, बीएसएफ में 1625, एसएसबी में 1954 और असम राइफल्स में 229 और सीआईएसएफ में 69 युवाओं को नौकरी दी गई। पिछले कुछ सालों की तुलना में यह रिजुटमेंट बढ़ा है।

करीब 84 हजार पदों पर सेना के विभिन्न विंग्स में भर्तियां की जानी हैं। शेष भर्तियां आने वाले 18 माह में पूरी कर दी जाएंगी। इनमें सीआरपीएफ में 27,510, बीएसएफ में 23,435, सीआईएसएफ में 11,765, एसएसबी में 11,143, आईटीबीपी में 4,762 और असम राइफल्स में 6,044 वैकेंसीज आने वाली हैं। वहीं दूसरी ओर, अब देश में लगातार नए सैनिक स्कूल खुल रहे हैं। जिनमें बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स प्रवेश ले रहे हैं। आने वाले समय में आर्मी के साथ साथ ही एयरफोर्स और नेवी से जुड़ने वाले युवाओं की संख्या में और भी बढ़ोतरी देखी जा सकती है। सेना के विभिन्न विंग्स अपने स्तर पर भी युवाओं को डिफेंस से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

### देश से सटी सीमाओं की सुरक्षा करना ही आर्मी की अलग-अलग विंग्स का काम

बॉर्डर सिक्वोरिटी फोर्स पड़ोसी देश पाकिस्तान व बांग्लादेश बॉर्डर पर निगरानी करती है। सीआरपीएफ का काम आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। जम्मू कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में इन्हें नियुक्त किया जाता है। अन्य यूनिट देश से सटी सीमाओं पर मुस्तैदी से तैनात रहती हैं। यानि, देश की आंतरिक सुरक्षा की बड़ी जिम्मेदारी इन यूनिट्स की रहती है। आर्मी के कुछ पदों के लिए दसवीं के बाद भी आवेदन किया जा सकता है। रिजुटमेंट के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को लगातार इंडियन आर्मी की वेबसाइट को देखना चाहिए।

### करिअर के लिए कंबाइंड डिफेंस सर्विस व नेशनल डिफेंस एकेडमी का भी विकल्प

आर्मी में करिअर बनाने के लिए कंबाइंड डिफेंस सर्विस और नेशनल डिफेंस एकेडमी का पेट्रेंस भी दिया जा सकता है। दोनों पेट्रेंस एग्जाम साल में दो बार आयोजित किए जाते हैं। दोनों ही पेट्रेंस एग्जाम यूनिजन पब्लिक सर्विस कमीशन की ओर से आयोजित किए जाते हैं। इनका शेड्यूल यूपीएससी अपना कैलेंडर जारी करने के साथ ही रिलीज कर देता है। उधर, एनडीए में अब लड़कियों को प्रवेश की अनुमति भी मिल चुकी है और बड़ी संख्या में छात्राएं भी एनडीए पेट्रेंस की तैयारियां कर रही हैं। अग्निपथ योजना के जरिए भी युवा सेना से जुड़ रहे हैं।

Regards,

**ANIL MISHRA**  
**(Training & Placement Officer)**